जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस हाईवे पर जहां ब्लास्ट हुआ, वहां से अब भी यू-टर्न ले रहे टैंकर-ट्रक

शुक्रवार सुबह इसी जगह पर एल.पी.जी. गैस के टैंकर और ट्रक की भिड़ंत से ब्लास्ट हुआ था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अजमेर-जयपुर एक्सप्रेस हाईवे पर शुक्रवार सुबह जिस रोड कट पर एलपीजी गैस से भरे टैंकर और ट्रक की भिंडत हुई, वहां से अब भी पेट्रोल-डीजल से भरे टैंकर और ट्रक यू-टर्न लेते दिख रहे हैं। शुक्रवार सुबह हुए इस हादसे में अब तक 14 लोगों की जान जा चुकी है, आग से झुलसे करीब 30-35 लोग अब भी जिंदगी-मौत के बीच जूझ रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस-

- **इस हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी, 30-35 लोग घायल हैं, इसके बावजूद पुलिस-प्रशासन की लापरवाही बरकरार**

प्रशासन की लापरवाही बरकरार है। इस रोड कट को बंद करने अथवा यहां से ट्रक व टैंकरों के यू-टर्न रोकने के बजाय जिम्मेदार हाथ पर हाथ धरे बैठे है। ऐसे में अब भी यहां गाड़ियों के टकराने का खतरा बना हुआ है।

शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे यहां भीषण हादसा हुआ था, लेकिन शनिवार सुबह उसी समय पर ट्रैफिक नॉर्मल दिन की तरह दिखा। हादसे से बेफिक्र लोग यहां पर गलत तरीके से ओवरटेक, ओवरस्पीड व नियमों की धज्जियां उडाते हुए नजर आए।

एक्सपर्ट्स की मानें तो जिस जगह पर हादसा हुआ है, वहां रोड इंजीनियरिंग में भारी कमी है। अगर, समय रहते सुधार नहीं किया गया तो यहां पर और बड़ी घटनाएं हो सकती हैं। हाईवे पर एकाएक कट बनाने की जरूरत नहीं थी। रिंग रोड पर ही कर्व बना कर दूसरी ओर ट्रैफिक निकाला जा सकता था। चौराहे पर हाई मास्क लाइट नहीं लगी हुई है, इस कारण चौराहा होने का दूर से पता नहीं चलता है।

चूंकि सर्दी के दिनों में कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम हो जाती है। ऐसे में कट पर किसी भी प्रकार के रेडियम, रिफ्लेक्टर, सिग्नल, मार्कर नहीं हैं। बाहरी राज्यों से या दूसरे जिले से आने वाले वाहन चालक इस कट को दूर से देख ही नहीं पाते। इसलिए वह अपनी रफ्तार से इस पर निकलने लगते हैं और टर्न ले रहे वाहनों से टकरा जाते है। चौराहे पर बनाए गए कट और रोड की चौड़ाई काफी कम है। इसमें अगर कोई बड़ा ट्रक जैसे कंटेनर, गैस टैंकर निकल रहा है तो वह दोनों ओर की सड़क ब्लॉक कर देता है। संभवतया हादसे की ये वजह हो सकती है। चौराहे के आसपास स्कूल, पेट्रोल पंप हैं उसके बाद भी किसी भी प्रकार का बोर्ड एनएचएआई ने मौके पर नहीं लगाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार इस कट पर पुलिसकर्मियों भी ड्यूटी रहती है, लेकिन वे केवल वीवीआई लोगों को निकालने का काम करते है।

जयपुर में अजमेर रोड पर जिस कट पर शुक्रवार को ट्रक की टक्कर से गैस टैंकर में ब्लास्ट हुआ था, उसी कट पर दूसरे दिन भी असावधानी बरती गई और बड़ी गाड़ियां यू-टर्न लेती दिखाई दीं। फोटो में कल हुए ब्लास्ट का मलबा भी देखा जा सकता है।

संसद में कांग्रेस नेताओं का किया कृत्य अक्षम्य : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संसद में दो दिन पहले घटे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने जो आचरण किया, वो अनवांटेड (अनावश्यक), अनएक्सपेक्टेड (अप्रत्याशित), अनडिजाइअर्ड (अवांछित) और अनएक्सपेक्टबल (अनपेक्षित) है। वो किसी भी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत में जब लोकतंत्र 75 वर्ष का हो गया है, तब इस तरह का कृत्य अक्षम्य है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत शनिवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। शुक्रवार सुबह अजमेर रोड पर भांकरोटा में घटी दुर्घटना पर उन्होंने गहरा दु:ख जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण, दर्दनाक, दु:खद और कभी न भुलाने वाली है। जो पीड़ित हैं, अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं, भगवान उनके दु:खों को दूर करें। उन्हें शीघ्र ही स्वस्थ करें। जो लोग चले गए हैं, उनके परिजनों को धीरज प्रदान करें। शेखावत ने कहा कि हम सब मिलकर ऐसा हादसा दोबारा ना हो, इसके लिए जो भी कदम उठाए जाने हैं, उन सब कदमों पर काम कर रहे हैं।

अगले माह से प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ मेले को लेकर पूछे सवाल पर शेखावत ने कहा कि प्रयागराज में विश्व का सबसे बड़ा मानवों का एकत्रीकरण होगा। ऐसा अनुमान है कि 45 दिन के महाकुंभ में 45 करोड़ से ज्यादा लोग आएंगे। चीन और भारत को छोड़कर इतनी आबादी दुनिया के किसी देश में नहीं है, जितने लोगों का एकत्रीकरण मेले में होगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर उत्तर प्रदेश और भारत सरकार, दोनों मिलकर काम कर रही हैं। देश-विदेश से आने वाले लोग एक भारत, श्रेष्ठ भारत का अनुभव करें, इसके लिए हम सब काम कर रहे हैं। वहीं, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में पधारो म्हारे देश भारत शिखर सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देश की ताकत उसकी युवा पीढ़ी के नवाचार और ऊर्जा में निहित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृतकाल के विजन के तहत हमें एक से अनेक बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की आवश्यकता है। उन्होंने क्लीन एयर एंड ब्लू स्काईज अभियान की सराहना की, जिसके तहत 50,000 फलदार वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

'जयपुर-अजमेर हाईवे पर रोड कट खोलने की सहमति जे.डी.ए.और पुलिस ने दी थी'

जयपुर। अजमेर-जयपुर एक्सप्रेस हाईवे पर भांकरोटा में हुए गैस टैंकर ब्लास्ट के बाद नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दी है। एनएचएआई ने घटना स्थल पर बनाए कट को खोलने के लिए जे.डी.ए. और पुलिस की सहमति होना बताया है। इसके साथ ही एनएचएआई ने इस तरह की घटना न घटे, इसके लिए कुछ सुझाव दिए हैं। इसमें घटनास्थल पॉइंट (रोड कट) पर 24 घंटे पुलिस की तैनाती करने और ज्वलनशील पदार्थ लेकर जाने वाले वाहनों को गाइड करने के लिए एस्कोर्ट सिस्टम शुरू करवाने के लिए कहा है।

- **गैस टैंकर ब्लास्ट के बाद नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दी**
- **एन.एच.ए.आई ने हादसे वाली जगह (रोड कट) पर 24 घंटे पुलिस की तैनाती करने और ज्वलनशील पदार्थ लेकर जाने वाले वाहनों को गाइड करने के लिए एस्कोर्ट सिस्टम शुरू करवाने के लिए का सुझाव दिया**

सूत्रों की मानें तो एनएचएआई के परियोजना निदेशक का कहना है कि हमने जो रोड कट जयपुर-अजमेर हाईवे पर खोल रखा है, उसका उद्देश्य अजमेर से जयपुर आने वाले हैवी ट्रैफिक (जो टोंक रोड, आगरा रोड जाना चाहता है) को रिंग रोड पर डायवर्ट करना है। इसके लिए जयपुर विकास प्राधिकरण और ट्रैफिक पुलिस की जॉइंट कमेटी ने मंजूरी दी है।

एनएचएआई अफसरों का कहना है कि रिंग रोड पर अभी क्लोवर लीफ नहीं होने के कारण ये कट खोल रखा है। हमने जिस फर्म को क्लोवर लीफ का काम दे रखा है, उसे इस काम तेजी और प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके चलते फर्म के दूसरे काम (टोंक रोड और सीकर रोड पर चल रहे कार्यो) को भी कुछ समय के लिए रुकवाया है। संभावना है कि अगले साल के आखिरी तक क्लोवर लीफ का काम पूरा हो जाएगा। टैंडर के मुताबिक कॉन्ट्रेक्टर को इस वर्क को पूरा करने के लिए मार्च 2026 तक का समय दे रखा है।

सूत्रों ने बताया कि एनएचएआई ने जो अपनी रिपोर्ट दी है, उसमें बताया कि जेडीए और ट्रैफिक पुलिस की जॉइंट कमेटी से मंजूरी मिलने के बाद कट खोलकर ट्रैफिक का डायवर्जन किया है। कट 30 मीटर तक चौड़ा है, लेकिन फिर भी बड़े व्हीकल (खासकर लम्बे ट्रेलर) जब टर्न लेते हैं तो सड़क की चौड़ाई कम पड़ जाती है। इसे देखते हुए रोड कट वाली जगह के दोनों ओर रोड की चौड़ाई को 6 लेन से बढ़ाकर 10 लेन किया है। ताकि बड़ी गाडी के घूमने के दौरान ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचा जा सके।

एनएचएआई ने इस तरह की घटना दोबारा कहीं न हो, इसके लिए इस तरह के ज्वलनशील पदार्थ ले जाने वाले वाहनों के लिए एस्कोर्ट की व्यवस्था करवाने का सुझाव दिया है। क्योंकि इन वाहनों को कहां मुडना है, कैसे मुडना है इसके लिए गाइड करने की व्यवस्था एस्कोर्ट वाहन चालक ही करें तो ज्यादा बेहतर होगा।

गैस टैंकर ब्लास्ट मामले में अब तक 14 लोगों की मौत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भांकरोटा इलाके में शुक्रवार सुबह हुए एल.पी.जी. गैस टैंकर और ट्रक की भिंडत के बाद हुए ब्लास्ट में शनिवार को 2 और लोगों की मौत हो गई। अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या 14 हो गई है। इस हादसे में झुलसे 31 लोग अब भी हॉस्पिटल में भर्ती हैं। करीब 25 लोग तो 75 फीसदी तक झुलसे हैं। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल पहुंचे कई शवों की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। एक शव का तो केवल धड़ ही लाया गया था, जबकि एक शव पोटली में हॉस्पिटल पहुंचा था।

इधर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम के नेतृत्व में एस.आई.टी. गठित की गई है, जो इस पूरे मामले की जांच पड़ताल करेगी। इसके अलावा भांकरोटा थानाधिकारी मनीष गुप्ता ने इस मामले की एफआईआर दर्ज की। जिसकी जांच सिंधी कैंप थाना अधिकारी करेंगे।

गौरतलब है कि शुक्रवार सुबह भारत पेट्रोलियम का टैंकर अजमेर से जयपुर की तरफ आ रहा था। करीब 5.44 मिनट पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने टैंकर ने यू-टर्न लिया। इस

- **सवाई मानसिंह अस्पताल में शुक्रवार सुबह 2और घायलों ने दम तोड़ा**
- **अभी भी 25 से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो आग में 75 फीसदी झुलसे थे**

दौरान जयपुर से अजमेर जा रहा ट्रक उससे भिड़ गया। इस टक्कर के बाद मौके पर ब्लास्ट हुआ और करीब 500 मीटर दूरी तक आग की लपटे फैली, जिसमें 5 लोग मौके पर जिंदा जले और 9 लोगों ने सवाई मानसिंह अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

गेल इंडिया लिमिटेड के (फायर एंड सेफ्टी) सुशांत कुमार सिंह ने बताया कि टक्कर से टैंकर के 5 नोजल टूट गएऔर 18 टन (180 क्विंटल) गैस लीक हो गई। इससे इतना जोरदार धमाका हुआ कि पूरा इलाका आग के गोले में तब्दील हो गया। जहां टैंकर में ब्लास्ट हुआ उसे करीब 200 मीटर दूर एलपीजी से भरा एक और टैंकर था। गनीमत रही कि उसने आग नहीं पकड़ी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

सचिन पायलट ने यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं की हौसला हाफजाई की

जयपुर। राजस्थान यूथ कांग्रेस के बेरोजगारी, राज्य सरकार के एक साल के कार्यकाल और केंद्र सरकार के विरोध में प्रदर्शन कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कार्यकर्ताओं की हौसला हाफजाई की। इस दौरान सांसद कुलदीप इंदौरा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु, युवा कांग्रेस राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, सचिव चिरंजीवी राव, युवा कांग्रेस राजस्थान के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष यशवीर शूरा, सुधेंद्र मूंड, विधायक मुकेश भाकर, विधायक मनीष यादव, विधायक रामनिवास गावडिया, विधायक सुरेश गुर्जर, विधायक प्रशांत शर्मा एवं हज़ारों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- **विधायक अभिमन्यु पूनिया सहित कई कार्यकर्ता घायल हुए, राष्ट्रीय अध्यक्ष चिब को भी लिया हिरासत में**

यूथ कांग्रेस ने देशव्यापी अभियान ''नौकरी दो, नशा नहीं'' के तहत प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड्स चढ़कर मुख्यमंत्री निवास को घेरने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस से झड़प हो गई।

यूथ कांग्रेस के देशव्यापी अभियान नौकरी दो, नशा नहीं और गृहमंत्री अमित शाह की ओर से बाबा साहब अंबेडकर के अपमान के मामले को लेकर राजस्थान यूथ कांग्रेस ने बेरोजगारी, राज्य सरकार के एक साल के कार्यकाल और केंद्र सरकार के विरोध में प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री निवास का कार्यक्रम तय किया था लेकिन पुलिस ने शहीद स्मारक पर ही वाटर कैनन का इस्तेमाल और लाठी चार्ज करते हुए युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे नहीं बढ़ने दिया।

जयपुर के शहीद स्मारक पर किए गए प्रदर्शन के दौरान जैसे ही कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए निकले, तो उन पर पुलिस प्रशासन ने लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान तीन बार वाटर कैनन का इस्तेमाल करते हुए उन्हें रोका गया। वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया सहित 40 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। वाटर कैनन के इस्तेमाल और लाठी चार्ज में 10 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को चोट लगी जिनमें से दो-तीन कार्यकर्ताओं को गंभीर चोट भी लगी।

इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं और वाटर कैनन के प्रेशर से वे सड़क पर गिर गए। बैरिकेडिंग पर चढ़े यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को पुलिस प्रशासन ने बैरिकेडिंग से नीचे धकेला। बाद में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर प्रदर्शन को समाप्त कराने का प्रयास किया गया।

हिरासत में लिए गए यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि बीजेपी संविधान पर अत्याचार कर रही है और संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। बाबा साहेब अंबेडकर का मजाक उड़ाया जा रहा है। यूथ कांग्रेस इसे लेकर चुप नहीं बैठेगी।